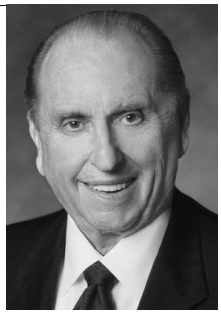

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

घर में प्रेम—हमारे भविष्यवक्ता से सलाह

आशीषित पारिवारिक जीवन

''जब हम बहुत परिक्षण कर लेते हैं और बहुत भटक चुके होते हैं और देख लेते हैं कि संसार का बहुत कुछ कितनी जल्दी ओझल होता है और कभी-कभी कितना दिखावटी होता है, हमारी कृतज्ञता उस सौभाग्य के साथ विकास करती है जिस पर हम भरोसा कर सकते हैं—घर और परिवार और हमारे प्रियजनों की वफादारी । हमें पता चलता है कि कर्तव्य द्वारा, आदर द्वारा, संबंध द्वारा एक दूसरे के साथ बंधने का क्या अर्थ होता है । हम सीखते हैं कि पारिवारिक जीवन के आशीषित संबंध का स्थान पूर्णरूप से कोई नहीं ले सकता है ।''[1]

हमारे प्रेम को बांटना

अपने बच्चे की प्रशंसा करें और गले लगाएं, कहें, 'मैं तुम से बहुत प्रेम करता हूं'; हमेशा अपना धन्यवाद व्यक्त करें । कभी भी किसी समस्या को प्रेम किए जाने वाले व्यक्ति से अधिक महत्व न दें । मित्र दूर चले जाते हैं, बच्चे बड़े हो जाते हैं, प्रिय लोग चले जाते हैं । दूसरों को महत्व न देना बहुत आसान होता, जब तक कि वे हमारे जिन्दागियों से दूर नहीं चले जाते और हम इन अनुभूतियों के साथ रह जाते हैं 'क्या यदि' और 'अगर सिर्फ ।' ...

''आओ हम जीवन का मजा लें जब हम इसे जीते हैं, इस यात्रा में आनन्द प्राप्त करें और मित्रों और परिवार के साथ प्रेम बांटे । एक दिन, हम में से हर एक के पास कलों की कमी हो जाएगी । आओ हम उसे न टालें जो अधिक जरूरी है ।''[2]

अपने प्रेम को दर्शाना

''भाइयों, आओ अपनी पत्नियों के साथ गरिमा और आदर के साथ व्यवहार करें । वे हमारी अनन्त साथी हैं । बहनों, अपने पतियों का सम्मान करें । उन्हें अच्छे शब्दों को सुनने की जरूरत है । उन्हें एक मित्रतापूर्ण मुस्कान की जरूरत है । उन्हें सच्चे प्रेम की गर्मजोश अनुभूति की जरूरत है । ...

''आपसे जो माता-पिता हैं, मैं कहता हूं, अपने बच्चों को प्रेम दिखाएं । आप जानते हैं कि आप उनसे प्रेम करते हैं, यह निश्चित करें कि वे भी जान पाएं । वे बहुमूल्य हैं । उन्हें पता चलने दो । स्वर्गीय पिता को मदद के लिए पूकारो जब आप प्रतिदिन उनकी जरूरतों का ख्याल रखते और जब आप माता-पिता के रूप में बिन बुलाए आई चुनौतियों का सामना करते हो । उनका पालन पोषण करने में आपको अपने स्वयं के ज्ञान से अधिक की जरूरत है ।''[3]

अपने प्रेम को व्यक्त करना

''आप माता-पिताओं से, अपने बच्चों से अपना प्रेम को व्यक्त करें । उनके लिए प्रार्थना करें कि वे संसार की बुराइयों का सामना करने के योग्य हों । प्रार्थना करें कि वे विश्वास और गवाही में बढ़ें । प्रार्थना करें कि वे जीवन की अच्छाइयों और दूसरों की सेवा का अनुकरण करें ।

''बच्चों, अपने माता-पिता को बताओ कि तुम उनसे प्रेम करते हो । उन्हें बताओ कि जो कुछ उन्होंने तुम्हारे लिए किया और निंरतर कर रहे हैं तुम उसकी कितना प्रंशसा करते हो ।''[4]

अति महत्वपूर्ण क्या है

''जो अति महत्वपूर्ण होता है उसमें हमेशा हमारे आस-पास के लोग सम्मलित होते हैं । अक्सर हम कल्पना कर लेते हैं कि वे *अवश्य ही* जानते हैं कि हम उनसे कितना प्रेम करते हैं । लेकिन हमें कभी भी कल्पना नहीं करनी चाहिए; हमें उन्हें बताना चाहिए । विलियम शैक्सपियर ने लिखा था, ''वे प्रेम नहीं करते हैं जो अपने प्रेम को

व्यक्त नहीं करते हैं ।'' हमें कभी भी बोले गए करूणाभरे शब्दों या व्यक्त किए गए प्रेम के लिए खेद नहीं होगा । इसके विपरीत, हमें खेद होगा यदि इस प्रकार की बातें हमारे उन संबंधों से मिटा दी जाती हैं जो हमारे लिए बेहद जरूरी होते हैं ।''[5]

स्वर्ग को नजदीक लाना

''काश हमारे परिवार और घर प्रेम से भरे रहें: एक दूसरे के प्रेम, सुसमाचार के प्रेम, अपने साथी के प्रेम, और हमारे उद्धारकर्ता के प्रेम से । इस के परिणाम स्वरूप, स्वर्ग पृथ्वी के थोड़ा नजदीक आ जाएगा ।

''काश हम अपने घरों को ऐसा शरणस्थल बनाएं जिसमें परिवार के सदस्य हमेशा वापस आना चाहें ।''[6]

परिवारों के लिए एक प्रार्थना

''आज जबकि पारिवारिक इकाई पर संसार में आक्रमण होता है, और बहुत से प्राचीन पवित्र बातों का मजाक उड़ाया जाता है, हम पिता आप से कहते हैं, कि आप हमें उन चुनौतियों के समान मजबूत बनाए जिनका हम सामना करते हैं, कि हम सच्चाई और धार्मिकता के लिए मजबूती से खड़े रहें । काश हमारे घर शान्ति, प्रेम और आत्मिकता की शरणगाह हो ।''[7]

विवरण

1. "A Sanctuary from the World," *Worldwide Leadership Training Meeting,* 9 फरवरी, 2008, 29 ।
2. "Joy in the Journey" (Brigham Young University Women's Conference, 2 मई, 2008), http://ce.byu.edu/cw/womensconference/archive/transcripts.cfm ।
3. "Abundantly Blessed," *Liahona,* मई 2008, 112 ।
4. "Until We Meet Again," *Liahona,* मई 2009, 113 ।
5. "Finding Joy in the Journey," *Liahona,* नवं. 2008, 86 ।
6. "A Sanctuary from the World," 30–31 ।
7. Dedicatory prayer for The Gila Valley Arizona Temple, 23 मई, 2010; में "The Gila Valley Arizona Temple: 'Wilt Thou Hallow This House,'" *Church News,* 29 मई, 2010, 5 ।

इस संदेश से शिक्षा

''एक दिमागी प्रेरणादायक गतिविधि में, अध्यापक एक प्रश्न या परिस्थिति प्रस्तुत करता है और सीखने वालों को स्वतंत्र होकर उत्तर या विचार प्रकट करने के लिए समय देता है ।'' (*Teaching, No Greater Call* [1999], 160) । जब आप परिवार के साथ इस लेख को पढ़ते हैं, उनसे उन सलाह या विचारों को सुनने के लिए कहें जो उन्हें प्रभावित करते हैं । परिवार के सदस्य दिमागी कसरत कर अपने घरों में प्रेम को बढ़ सकते हैं । परिवार को इन विचारों को आने वाली पारिवारिक घरेलू संध्या में विचार करने का निमंत्रण देने पर विचार करें ।

युवा

मां ने हमें बचाया

प्रैटीसिया ऑसीयर द्वारा

जब मैं छह वर्ष की थी, मेरी छोटी बहन और मैं अपनी बड़ी बहन का बास्केट-बॉल का खेल देख रहे थे । मेरे पिता जाने लगे, और फिर हमने निश्चय कि हम उसके साथ घर जाएंगे, इसलिए हम बारिश में उनके पीछे भागे । जब हमें वह नहीं मिले, तो हम जिम में वापस आना चाहते थे ताकि मां के साथ घर चले जाएं, लेकिन जब तक हम जिम में दाखिल हुए, वहां से सब लोग जा चुके थे ।

मुझे याद है चौखट में दुबकना, अपनी छोटी बहन और स्वयं को बारिश से बचाने की कोशिश करना, प्रार्थना करना कि कोई आ जाए । फिर मुझे याद है मैंने अपनी लाल वैन के दरवाजे के बंद होने की आवाज को सुना, और हम उस ओर दौड़े जहां से आवाज आई थी । फिर आई मेरे बचपन की जीवन्त यादों में से एक : मेरी मां का हमें अपनी बांहों में छिपाना, ''जैसे मूर्गी अपने चूचों को अपने पंखों के नीचे दुबका लेती है'' (3 नफी 10:4) । हमारी मां ने हमें बचा लिया था, और इससे अधिक सुरक्षित मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था जितना उस क्षण में किया था ।

जब मैं अपने ऊपर उनके प्रभाव के विषय में सोचती हूं, मैं देखती हूं कि मेरी मां के जीवन ने मुझे उद्धारकर्ता की ओर निदेर्शित किया था और दिखाया है कि ''झूके हुए हाथों को उठाओ, और कांपते हुए घुटनों को मजबूती दो'' (सि. ओर अनु. 81:5) का क्या अर्थ होता है । वह यीशु मसीह पर निर्भर थी, जिसने उन्हें ''उनकी [अपनी] शक्ति से अधिक'' दी थी ("Lord, I Would Follow Thee," स्तुति गीत सं. 220) ।

बच्चे

एक आनंदायक घर बनाना

अध्यक्ष मॉनसन उन तरीकों की सलाह देते हैं जिनसे हम एक आनंदायक घर बना सकते हैं । एक आनंदायक घर बनाने के लिए आप और आपका परिवार जो कर सकते हैं उनको खोजने के लिए लेख पर नज़र डालें ।

हर बार आपको करने के लिए कुछ मिलता है, उसे लिख लें । कम से कम पांच तरीकों की खोज करें जिससे आप एक आनंनदायक घर बना सकते हैं और एक घर का चित्र बनाएं जिसके अंदर आपका परिवार है ।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 । *First Presidency Message, August 2011* का अनुवाद । Hindi । 09768 294

पवित्र स्त्रियों की एक संस्था

इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं । अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें ।

विश्वास • परिवार • सहायता

एलिजा आर. स्नो, द्वितीय सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा, ने सीखाया थाः ''प्रेरित पौलुस ने प्राचीन समय में पवित्र स्त्रियों के विषय में कहा था । पवित्र स्त्री होना हम में से प्रत्येक का कर्तव्य है । हमारे पास ऊचें लक्ष्य होने चाहिए, यदि हम पवित्र स्त्रियां हैं । हमें महसूस करना चाहिए कि हमें महत्वपूर्ण कर्तव्यों को पूरा करने के लिए नियुक्त किया गया है । इन से किसी को कोई छूट नहीं है । कोई भी बहन इतनी अकेली नहीं है, और उसका दायरा इतना संकीर्ण नहीं है कि वह पृथ्वी पर परमेश्वर का राज्य स्थापित करने के लिए बड़ा काम न कर सके ।''[1]

बहनों, हम अकेली नहीं हैं न ही हमारा दायरा संकीर्ण है । सहायता संस्था में गतिविधि का उपहार स्वीकार करने के द्वारा, हम उसका हिस्सा बन जाती हैं जिसकी भविष्यवक्ता जोसफ ने व्याख्या की थी ''संसार की सभी बुराइयों से अलग—चुनी हुई, गुणी, और पवित्र ।''[2]

यह संस्था हमारे विश्वास को मजबूत करने और मार्गदर्शन करने, सेवा करने, और सीखाने के अवसर देकर आत्मिकरूप से विकास करने में मदद करती है । सेवा में हमारे जीवन को नई ऊंचाई मिलती है । हम आत्मिकरूप से विकास करते हैं, और हमारा संबंध, पहचान, और आत्म-विश्वास की संवेदनाएं बढ़ती हैं । हम महसूस करते हैं कि सुसमाचार योजना का संपूर्ण उद्देश्य हमें अपनी पूर्ण संभावना तक पहुंचने का अवसर देना है ।

सहायता संस्था मन्दिर की आशीषें पाने, जो अनुबंध हम बनाते हैं उनका पालन करने, और सिय्योन के उद्देश्य में लगे रहने के लिए तैयार होने में हमारी मदद करती है । सहायता संस्था हमें हमारे विश्वास और व्यक्तिगत धार्मिकता को बढ़ाने, परिवारों को मजबूत करने, और जरूरतमंद को खोजने और मदद करने में हमारी मदद करती है ।

सहायता संस्था का काम पवित्र है, और पवित्र काम करने से हमारे अंदर पवित्रता आती है ।

सिलविया एच. ऑलरेड. सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार ।

धर्मशास्त्रों से

निर्गमन 19:5; भजन संहिता 24:3–4; 1 थिस्सलुनीकियों 4:7; तीतुस 2:3–4; अनुबंध और सिद्धान्त 38:24; 46:33; 82:14; 87:8; मूसा 7:18

हमारे इतिहास से

नावू की स्त्री सहायता संस्था से बोलते हुए, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने समझाते हुए, जोर दिया था कि जब बहनें शुद्ध और पवित्र हो जाती हैं, वे संसार के उपर एक प्रभाव छोड़ती हैं । उन्होंने समझाया थाः ''विनम्रता, प्रेम, शुद्धता—ये वे बातें हैं जो तुम्हें बढ़ाते हैं । ... पृथ्वी के राजा और रानियां सिय्योन में आएंगे, और अपना आदर प्रकट करेंगे ।'' सहायता संस्था बहनें जो अपने अनुबंधों का पालन करती हैं वे केवल सभ्य लोगों का सम्मान का आदेश नहीं पाती हैं, लेकिन ''यदि आप अपने सौभाग्य के अनुसार जीओ,'' जोसफ ने बहनों से वादा किया था, ''स्वर्गदूत भी तुम्हारे सहयोगी होने से इन्कार नहीं कर सकते ।''[3]

जब बहनें सेवा करने और दूसरों को बचाने के काम में भाग लेती हैं, वे व्यक्तिरूप से पवित्र हो जाती हैं । भविष्यवक्ता की मां लूसी मैक स्मिथ ने बांटा था जो एक अच्छी सहायता संस्था पा सकती है : ''हमें एक दूसरे को हृदय में बसाना चाहिए, एक दूसरे का ख्याल रखना चाहिए, एक दूसरे को दिलासा देनी चाहिए और निर्देश पाने चाहिए, ताकि हम स्वर्ग में एक साथ बैठ सकें ।''[4]

विवरण

1. Eliza R. Snow, "An Address," *Woman's Exponent,* 15 सिंतबर, 1873, 62 ।
2. Joseph Smith, in *History of the Church,* 4:570 ।
3. Joseph Smith, in *History of the Church,* 4:605, 606 ।
4. Lucy Mack Smith, in Relief Society, Minute Book मार्च 1842–मार्च 1844, 24 मार्च, 1842 के लिए प्रविष्टि, Church History Library, 18–19 ।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. कैसे मैं उन बहनों को ''ऊंचे लक्ष्य'' बनाने और पाने में मदद कर सकती हूं जिनकी मैं देखभाल करती हूं ?

2. मैं अपने जीवन को ''चुनी हुई, गुणी, और पवित्र'' बनाने के लिए क्या कर रही हूं ?

अधिक सूचना के लिए, www.reliefsociety.lds.org पर जाएं ।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 । *Visiting Teaching Message, August 2011* का अनुवाद । Hindi । 09768 294